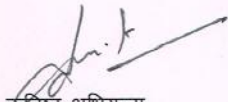
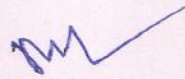
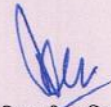


परियोजना का नाम	:- जनपद पौड़ी गढ़वाल में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित कि०मी० 57 के टी०२ (ओ०डी०आर०) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि०मी०) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।
-----------------	--

राष्ट्रीय पार्कों/ वन्य जीव अभ्यारण में प्रस्तावित कार्य करने से पूर्व मान्य उच्चतम न्यायालय एवं भारतीय वन्य जीव परिषद की अनुमति।


कनिष्ठ अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल


सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल


अधिसासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल

121

2.24
प्रपत्र-28

2.24 (I)

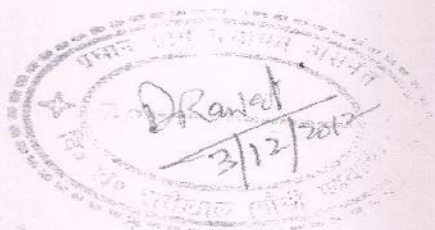
परियोजना का नाम	:-	जनपद पौडी गढवाल में प्रधानमन्त्री ग्रामीण सड़क योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित कि०मी० 57 के टी०२ (ओ०डी०आर०) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि०मी०) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।
-----------------	----	--

प्रभावित होने वाली ग्रामों के आम सभाओं का अनापत्ति प्रमाण पत्र।

शाहूवास्तव गंगा घाट से (गैण्डवाल मुरली
माग) से ग्राम मंजोरी हेतु पी. एम. जी एल. ए.
के अन्तर्गत दि० ०१-१२-२०१२ से ०२-१२-२०१२
की निषण्णित रते की ग्रामनासी ग्राम मंजोरी
द्वारा अनुवर्तन अन्तर्गत प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रमाणित
श्रीमती सखी योशना के अंतर्गत शाब्दिक
गंगा दर्शन से उपरोक्त दिनांक को सर्वेक्षण
टीम द्वारा ग्राम मंजोखी-गलदाही तक सर्वेक्षण
कार्य सम्पन्न किया गया है कि इस सर्वेक्षण
से ग्रामवासी पूर्ण रूप से संतुष्ट व सहमत है
सर्वेक्षण के दौरान हमारी जो भी नाप व
वै-नाप श्री डा रही है उसपर ग्रामवासी
मंजोखी को किसी प्रकार की आपत्ति नहीं है
इस सर्वेक्षण कार्य को प्रथम व अंतिम सर्वेक्षण
जाए इससे पूर्व जो सर्वेक्षण कार्य किया गया
था उस सर्वेक्षण कार्य से ग्रामवासी पूर्ण
रूप से संतुष्ट व सहमत नहीं थे अतः जो
सर्वेक्षण कार्य इस समय किया गया है
उससे हम पूर्ण रूप से संतुष्ट व सहमत
हैं अतः हम ग्रामवासी सर्वेक्षण (सर्वेक्षण) की
तह दिल से धन्यवाद करते हैं तथा निवेदन
करते हैं कि इस सर्वे पर बिना किसी बिन्दु
पर इतना ही भी महत्व दिया की जाएगा,
धन्यवाद

सित्तगाय - यामनासीमा दत्ता विष्णुदत्ता दि. 14-8-2012
मा. उ.ना.प.ले प्रमाण पत्र सित्तगाय विना जागाई



28 Jan 44
at
11-12
11-12
11-12

पञ्चमाली
देवी

पुनर्निर्माण

जो दुखदारी है
संस्तुति है

५३

Sparks

W.R. 1126

৬৩১৭, ৬৩১৮

~~4~~
(2/2/4/1)

R. L. Moore

(रामपाल)

मैटाल रेंड
01

2017/12/2

1509

Balau

374165

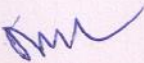
R-12
5/10/54

परियोजना का नाम	:- जनपद पौड़ी गढ़वाल में प्रधानमन्त्री ग्रामीण सड़क योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित कि०मी० 57 के टी०२ (ओ०डी०आर०) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि०मी०) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।
-----------------	---

भवन निर्माण आदि प्रकरणों में ले-आउट प्लान

लागू नहीं है।


कनिष्ठ अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल


सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल


अधिसासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल

2.26

प्रपत्र 31

परियोजना का नाम	:-	जनपद पौड़ी गढ़वाल में प्रधानमन्त्री ग्रामीण सड़क योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित कि०मी० 57 के टी०२ (ओ०डी०आर०) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि०मी०) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।
-----------------	----	--

परियोजना के विभिन्न घटकों का मदवार विवरण। (केवल जल विद्युत परियोजनाओं हेतु)

(लागू नहीं है)



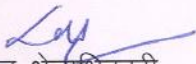
कनिष्ठ अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल



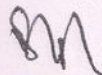
सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल



अधिशाली अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल



वन क्षेत्राधिकारी
वन क्षेत्राधिकारी
घैलसंग रन्ज



उप प्रभागीय वनाधिकारी
भूमि संरक्षण वन प्रभाग
नैसडोल (गढ़वाल)

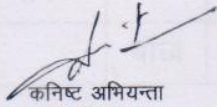
प्रभागीय वनाधिकारी

परियोजना का नाम

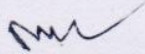
:- जनपद पौड़ी गढ़वाल में प्रधानमन्त्री ग्रामीण सड़क योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित कि०मी० 57 के टी०२ (ओ०डी०आर०) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि०मी०) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

कार्य प्रारम्भ न होने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा आवेदित भूमि पर कोई निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। भारत सरकार से वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अर्न्तगत स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।



कनिष्ठ अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल



सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल



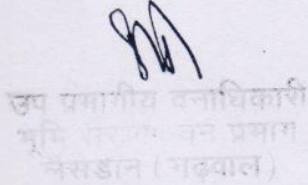
अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल



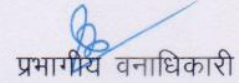
वन क्षेत्राधिकारी

वन क्षेत्राधिकारी

चलूसी



उप प्रभागीय वनाधिकारी
भूमि संरक्षण वन प्रभाग
नेसडान (गढ़वाल)

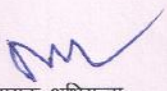


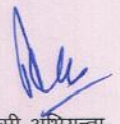
प्रभागीय वनाधिकारी

परियोजना का नाम	:- जनपद पौड़ी गढ़वाल में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित कि०मी० 57 के टी०२ (ओ०डी०आर०) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि०मी०) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।
-----------------	--

प्रस्तावित स्थल की भू-वैज्ञानिक द्वारा निर्गत निरीक्षण आख्या संलग्न


कनिष्ठ अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल


सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल


अधिशाली अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल

भूगर्भीय आख्या

थक0मी0 57 के टी02 (ओ0डी0आर0) से मंजोखी मोटर मार्ग, जनपद पौड़ी गढ़वाल समरेखण स्थल की भू-गर्भीय आख्या।

1. प्रस्तावना:— सिचाई खण्ड, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल) द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत थक0मी0 57 के टी02 (ओ0डी0आर0) से मंजोखी मोटर मार्ग कुल लम्बाई 7.625 किमी0 का निर्माण प्रस्तावित है। अधिषासी अभियन्ता सिचाई खण्ड, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल) के अनुरोध पर उक्त स्थल के समरेखण स्थल को भू-गर्भीय निरीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 15.12.2012 को मेगोट इनजीनियरिंग कन्सलटेन्सी प्रा0 लि0, देहरादून के कर्मचारी की उपस्थिति में किया गया।

2. स्थिति:— उक्त मोटर मार्ग का समरेखण स्थल जनपद पौड़ी गढ़वाल के निर्माणधीन गुमखाल से ऋषिकेश के कि0मी0 17 से प्रस्तावित मोटर मार्ग में स्थित है। उक्त मोटर मार्ग में 03 हेयर पिन बैंड है।

3. भू-गर्भीय स्थिति:— प्रस्तावित समरेखण स्थल गढ़वाल लेसर हिमालय में स्थित है जो कि दक्षिण में मेन बाउन्ड्री थ्रस्ट (MBT) एवं उत्तर में मेन सेन्ट्रल थ्रस्ट (MCT) द्वारा सीमित है। समरेखण स्थल के क्षेत्र में गढ़वाल ग्रुप के थिनली फोलिएटेड क्वार्टजाइट्स विद्यमान है, जो कि अनेक माइनर एवं जेकरक थियर्स एवं चार संधियों से युक्त है। प्रस्तावित मार्ग का प्रारम्भिक भाग 38° से 55° के झुके ढलानों से होकर गुजरता है, जिस पर अवस्थित शैल दृष्टिगोचर है। मार्ग के कतिपय स्थानों पर ढालों की तीव्रता 60° है तथा इन स्थानों पर मैसिव चट्टानें अवस्थित दृष्टिगोचर है। समरेखण का लगभग 3.500 किमी भाग 34° से 46° के कोण पर झुके N की दिशा में उन्मुख ढालों से होकर गुजरता है जो किथिक ओवर बर्डन मैटेरियल/रेजीडुअल सायल से ढके हुए है। इन ढालों पर स्थित ओवर बर्डन मैटेरियल/रेजीडुअल सायल की अन्ड्रेन्ड थ्रस्ट्रेन्थ 100 K Pa से 150 K Pa तक स्थल पर आंकी गई, स्थल के फ्रेष, कोम्पेक्ट, पार्सियली वेदर्ड है तथा थियर्ड/सैटर्ड, थिनली फोलिएटेड है। इन क्वार्टजाइट्स की संधिया परस्पर वेज (Wedge) का निर्माण करती है। स्थल पर इन पैलों को सुनिएक्सियल कम्प्रेसिव स्ट्रेन्थ अलग-अलग स्थानों पर 20–30 M Pa तथा 100–150 M Pa (ISRM-Manual Index) तक आंकी गई। प्रथमदृष्टया समरेखण स्थल एवं इसके समीप के क्षेत्र में कहीं भी भू-स्खलन/भू-धंसाव दृष्टिगोचर नहीं है। प्रस्तावित मार्ग का अधिकतम मार्ग सनी फेस से होकर गुजरता है।

समरेखण क्षेत्र की भू-गर्भीय स्थिति, भू-तकनीकी आंकलन, भू-आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए निम्न सुझाव दिये जा रहे हैं,

4. सुझाव:-

- 1- मार्ग की चौड़ाई यथा सम्भव पार्ट कर/पार्ट फिल द्वारा की जाए न कि हिल साईड स्लोप को काट कर।
- 2- चट्टानी भागों की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिये इन पर सीमित विस्फोट किये जाये।
- 3- सड़क की स्थिरता के लिए उचित **Drainage** की व्यवस्था की जाये।
- 4- जहां पर आवश्यकता हो, रिटेनिंग/ब्रैस्ट वॉल का निर्माण किया जाये।
- 5- पहाड़ी क्षेत्र में बनने वाले मार्गों के लिए निर्धारित सिविल अभियान्त्रिक विषिष्टियों एवं मानकों का पालन किया जाए।

5. निष्कर्ष:- समरेखण स्थल पर किए गए भू-गर्भीय अध्ययन के आधार पर उपरोक्त सुझाव का अनुपालन करते हुए यह समरेखण मार्ग बनाने हेतु उपयुक्त है।

दस्तावेज सत्यापित

सहायक अभियन्ता वस्त्र
सिधार्थ खण्ड (लो 0 नि 0 वि 0)
कोटद्वार (गढ़वाल)

J. N. Dharadiyal
(J. N. Dharadiyal)
Director
Engineering & Survey Division
Geological Survey of India

Task Force Certificate

- (i) Lay out of the Land to be followed as far as possible.
- (ii) Heavy cutting/filling be avoided as far as possible. The technology of cut and fill method is to be adopted steep hill slope as also to be avoided
- (iii) Unstable/slide-prone areas to be avoided. For identifying such areas the advice of Geotechnical Engineers and Geologists to be taken during the survey for alignment.
- (iv) Comparison of various possible alignments with reference to erosion potential be made and the alignment involving minimum erosion risks be preferred.

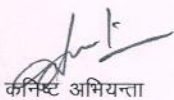
A part from the stage of planning the road alignment, effective steps are also required to be taken by ground Engineer during the process of road construction for minimized ecological disturbance to the hill roads. Broadly the measures to be taken have been identified as :-

1. Cut and fill method to be adopted while excavating for road formation and heavy earth cutting is to be avoided. Box cutting is to be avoided to the extent possible.
2. Blasting by explosives is to be restricted to the minimum Lay out of holes to be drilled for blasting is to be planned keeping in view the line of least resistance and the existence of joints controlled blasting should be repeated using low charge and care be taken to avoid activating slide zones or widening fissures and cracks in rock Use of delay detonators in large scale blasting work is to be made for aniline dispersion of chock waves, so that minimum disturbance is caused to the rock stratum as a result of the blasting process
3. All cut slopes, unusable hill side and slide prone erosion prone areas are to be provided with suitable correction measures by using one or the other of the techniques developed by CRRI. Several techniques have been sponsored by CRRI like simple vegetative turning, bitumen much treatment and slide treatment by jute netting coir netting of these simple vegetative turning seems to be the most appropriate preventive measure in many situations. This should be established in the denuded slopes immediately after the excavation is made
- (v) Adequate drainage measures and protective structures like intercepting catch water drains, longitudinal drains/culverts, breast walls, retaining walls are provided for purposes of establishing the slips. Growth vegetative cover is stimulated in the disturbed hill slopes above the road level by planting suitable fast growing shrubs and plants

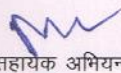
In certain selected unstable areas terraced has also been plasticized as a stabilizing measure with good results

- (vi) Over the past few years the roads wing of the Ministry of Shipping and transport has issued instruction laying down broad guide lines and check list of the preparation of road construction projects which provide an inbuilt mechanism of tackling land slides/erosion control for the guidance and follow up action by engineers of state 'PWD' Border Roads Organization and other engaged in construction of hill roads these should be observed

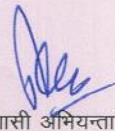
प्रमाणित किया जाता है कि योजना आयोग द्वारा गठित टास्क फोर्स द्वारा प्रदत्त उक्त संस्तुतियों का परियोजना के निर्माण के दौरान अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।



कनिष्ठ अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल



सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल



अधिसासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,
पी०एम०जी०एस०वाई०, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल